

न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दूदू

बइजलास :- डॉ. अर्तिका शुक्ला (आई.ए.एस.)

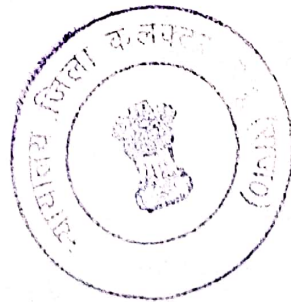
प्रकरण संख्या 01/2023

रामजीलाल पुत्र श्री गोपीराम जाति जाट निवासी- दतुली तहसील फागी जिला दूदू प्रान्त
राजस्थान

(प्रार्थी)

बनाम

1. अरविन्द कुमार शर्मा उपखण्ड अधिकारी फागी जिला दूदू राज.
2. हिमांशु पुत्र श्री ओमप्रकाश जाति जैन निवासी रतन हाउस सी- 31 इन्द्रपुरी कॉलोनी टोंक रोड लाल कोठी जयपुर
3. निर्मला रावत पत्नी बच्चन सिंह रावत जाति राजपूत निवासी संतोषनगर गोपालपुरा बाईपास जयपुर जिला जयपुर।
4. श्याम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री दुलीचंद शर्मा जाति ब्राहमण निवासी - कस्बा फागी तहसील फागी जिला दूदू राज.
5. तहसीलदार फागी तहसील फागी जिला दूदू राज.



(अप्रार्थीगण)

प्रार्थना पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण की तलबी जारी की गई। अप्रार्थी संख्या 1 उपखण्ड अधिकारी फागी से विन्दुवार टिप्पणी तलब की गई।

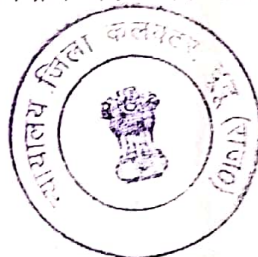
अप्रार्थी संख्या 2 व 3 की तरफ से श्री ओमप्रकाश जैन अधिवक्ता ने वकालतनाम एवं अप्रार्थी संख्या 2 की तरफ से जवाब प्रार्थना पत्र मुन्तकिल पेश कर बताया कि मुन्तकिल प्रार्थना पत्र में वर्णित विन्दू झूठे एवं गलत तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया है इसलिए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र मय हर्जे खर्चे खारिज फरमाया जावे।


अप्रार्थी संख्या 1 ने विन्दुवार टिप्पणी प्रेषित कर बताया कि मुन्तकिल प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्य मनगढ़ंत व झूठे एवं आधारहीन है। लेकिन प्रार्थी ने न्याय प्राप्त नहीं होने का तथ्य अंकित किया है। इसलिए यदि इस प्रकरण को किसी अन्य न्यायालय में स्थानान्तरित किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

अप्रार्थी संख्या 4 व 5 रजिस्टर्ड डाक से नोटिस जारी होने के बाद भी उपस्थित नहीं होने पर इनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई।

अधिवक्ता प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 2 व 3 की मुन्तकिल प्रार्थना पत्र पर बहस चुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी ने अपनी बहस में प्रार्थना पत्र मुन्तकिल में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया कि प्रार्थी को अप्रार्थी संख्या 1 उपखण्ड अधिकारी फागी से न्याय की उम्मीद नहीं है। अप्रार्थी संख्या 2 ने अप्रार्थी संख्या 1 पीठासीन अधिकारी से साठ गांठ कर रखी है। इसलिए प्रकरण को अन्यत्र सक्षम न्यायालय में स्थानान्तरित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। प्रकरण अन्यत्र स्थानान्तरित किया जावे।

अधिवक्ता अप्रार्थी 2 व 3 ने अपनी बहस में बताया कि मुन्तकिल प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्य झूठे एवं आधारहीन है। प्रार्थी ने एकतरफा स्थगन प्राप्त कर अप्रार्थी 2 व 3 को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। न्यायालय उपखण्ड अधिकारी फागी ने विधिक रूप से कार्य किया है। मुन्तकिल प्रार्थना पत्र का पैरा न0 5 में वर्णित तथ्य बिल्कुल झूठा अंकित किया है। अप्रार्थी संख्या 2 दिनांक 10.9.23 से पूर्व से ही जयपुर से बाहर गया हुआ था जो दिनांक 12.9.23 को वापस आया है। प्रार्थी ने एकतरफा स्थगन लेकर अप्रार्थी 2 को अपनी खातेदारी भूमि पर चारदिवारी निर्माण कार्य को रूकवा दिया है। प्रार्थी ने प्रकरण को




जिला कलक्टर
दूदू (राज्य)

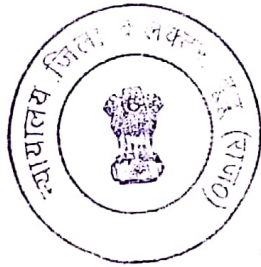
महज हैरान व परेशान करने की नियत से एवं प्रकरण को देरीना करने के उद्देश्य से गलत तथ्यों के आधार पर प्रार्थना पत्र पेश किया है। अप्रार्थी संख्या 2 की किसी प्रकार से पीठासीन अधिकारी से कोई साठ साठ नहीं है। प्रार्थी ने प्रकरण को देरीना करने के इरादे से मुन्तकिल प्रार्थना पत्र पेश किया है। इसलिए आधारहीन प्रार्थना पत्र को मय हर्जा खर्चा खारिज फरमाया जावे। वकील अप्रार्थी ने अपनी बहस के समर्थन में न्यायिक दृष्टान्त आर.आर.टी 2023(1) पेज 479 से 481 पेश की गई।


हमने वकील प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 2 व 3 की बहस पर गौर पूर्वक मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया। अवलोकन करने पर पाया कि न्यायालय उपखण्ड अधिकारी फागी की आदेशिकाओ के अवलोकन से ऐसा कही नहीं प्रकट होता है की पीठासीन अधिकारी द्वारा न्यायिक प्रक्रिया से बाहर जाकर कोई कार्य किया गया हो केवल नजदीकी तारीख देना प्रकरण के अन्तरण का आधार नहीं हो सकता, केवल आंशका के आधार पर पीठासन अधिकारी के आचरण पर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं की जा सकती है, पीठासन अधिकारी ने अप्रार्थीगण के पक्ष में कोई अनुचित आदेश भी पारित नहीं किया है केवल आंशका के आधार किसी प्रकरण को मुन्तकिल किया जाना व्यावहारिक प्रतीत नहीं होता है। प्रार्थी को जो आंशका है, उसका आधार रिकॉर्ड पर होना चाहिए। प्रस्तुत प्रकरण में ऐसा कोई आधार नहीं है। विद्वान अधिवक्ता अप्रार्थी 2 व 3 द्वारा प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्त इस प्रकरण पर पूर्णतया चस्पा होता है।

उक्त तथ्यों के विवचन के आधार पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र मुन्तकिल आधार हीन होने से खारिज किया जाता है।

निर्णय की प्रति उपखण्ड अधिकारी फागी को प्रेषित की जावे। पत्रावली दर्ज नम्बर से कम हो कर शुमार फैसल हो।

निर्णय आज दिनांक 17.10.2023 को सरे इजलास सुनाया गया।




(डॉ० अर्तिका शुक्ला)
जिला कलक्टर
दरभंगा (0)